डा॰ गिरजा उरांव
एसोसिएट प्रो॰
R.M.C. सासाराम

निरीक्षण विधि के लाभ या गुण (merits of observation method) :- इसके मुख्य लाभ निम्नलिखित हैं :-

1. यह एक व्यापक पद्धति है :- इसके द्वारा हर क्षेत्र में अध्ययन किया जा सकता है। ऐसे व्यक्तियों का भी अध्ययन किया जा सकता है जो न तो पढ़े-लिखे होते हैं और न ही जिन्हें भाषा का पर्याप्त ज्ञान होता है।

2. स्वाभाविक परिस्थितियों में अध्ययन :- इस विधि द्वारा किया गया अध्ययन सदैव स्वाभाविक परिस्थितियों में होता है। अतः कहा जा सकता है कि कोई व्यक्ति प्रदर्शन के समय कैसा व्यवहार करता है यह केवल निरीक्षण विधि द्वारा ही जाना जा सकता है।

3. पर्याप्त वस्तुनिष्ठता :- इस विधि में वस्तुनिष्ठता के पर्याप्त गुण मौजूद रहते हैं इस विधि में व्यवहार को प्रत्यक्ष रूप से देखा जाता है तथा लिखा जाता है। इस स्थिति में वस्तुनिष्ठ अध्ययन पूर्णरूप से सम्भव होता है।

निरीक्षण विधि की कठिनाईयां या दोष

(Difficulties or Demerits of Observation Method) :- निरीक्षण विधि में कुछ दोष भी हैं जिसके कारण अध्ययन करते समय कुछ कठिनाईयों का सामना भी करना पड़ता है जो निम्नलिखित है :-

1. पक्षपात की आशंका :- प्रत्येक अनुसंधानकर्ता के कुछ-न-कुछ पूर्वाग्रह होते हैं इस पूर्वाग्रहों के कारण पक्षपात की आशंका रहती है।

2. पर्याप्त प्रशिक्षण तथा अभ्यास की कमी :- सामान्य रूप से साधारण निरीक्षणकर्ता न तो समुचित रूप से प्रशिक्षित ही होते हैं और न ही उन्हें वास्तविक निरीक्षण का अभ्यास होता है जिस कारण दोषपूर्ण सम्भव है।

Scanned with CamScanner

3. व्यक्तिगत रुचि का प्रभाव :- निरीक्षणकर्ता की कुछ विशिष्ट रुचियाँ होती है। निरीक्षण के समय वह अपनी रुचियों से सम्बन्धित तथ्यों पर सामान्य से अधिक ध्यान देता है तथा उन्हें अधिक महत्व होता है। इसके परिणामस्वरूप कुछ अन्य आवश्यक तथ्य निरीक्षण में या तो छूट जाते हैं या हम उसकी उपेक्षा कर देते हैं।

निरीक्षण के प्रकार (Types of observation) :-
निरीक्षण के मुख्यतः दो प्रकार है - (क) अनियंत्रित निरीक्षण तथा (ख) नियंत्रित निरीक्षण।

(क) अनियंत्रित निरीक्षण (Uncontrolled observation) :-
इस प्रकार का निरीक्षण अनियंत्रित वातावरण में किया जाता है। इसके भी दो प्रकार है -
(i) सहभागी निरीक्षण (participant observation) तथा (ii) असहभागी निरीक्षण Non-participant observation)।

(ख) नियंत्रित निरीक्षण (Controlled observation) :-
नियंत्रित निरीक्षण उसे कहते है जो नियंत्रित वातावरण में क्रमबद्ध तरीके से (systematically) किया जाता है। यहाँ दो प्रकार के नियंत्रण होते हैं - एक तो विषय-वस्तु पर नियंत्रण होता है और दूसरे निरीक्षक पर विषय-वस्तु के निरीक्षण का अर्थ यह है कि व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन नियंत्रित वातावरण में किया जाता है। जैसे - नियंत्रित वातावरण में व्यक्तियों के पारस्परिक व्यवहारों पर जातिगत पूर्वधारणा के प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है। निरीक्षक पर नियंत्रण का

Scanned with CamScanner